जिनके होंठों पे मुरली रहे रात दिन कृष्ण भजन लिरिक्स

जिनके होंठों पे मुरली,
रहे रात दिन,
रहे रात दिन,
बस वहीं मुरलीवाला,
हमें चाहिए हाँ हमें चाहिए,
मोर पंखों का सर पर,
सुनहरा मुकुट हाँ सुनहरा मुकुट,
बस वहीं ब्रज का ग्वाला,
हमें चाहिए हाँ हमें चाहिए।bd।

कोप ब्रज में किया,
इंद्र ने जिस घड़ी,
मूसलाधार बरसात होने लगी,
नख से गिरवर उठाकर बचाया हमें,
हाँ बचाया हमें,
बस वहीं गिरधारी हमे चाहिए,
हाँ हमे चाहिए।bd।

हार बैठे जुआ में जब पांचो पति,
आस तुमसे लगाकर रो रही द्रोपती,
लाज लाखो की आकर बचाता रहा,
हाँ बचाता रहा,
बस वहीं मुरलीवाला हमे चाहिए,
हाँ हमे चाहिए।bd।

ज़हर का प्याला,
मीरा जब पीने लगी,
राजा राणा से मीरा यूँ कहने लगी,
जिसको अमृत बना कर,
पिलाया प्रभु हाँ पिलाया प्रभु,
बस वहीं कमलीवाला हमे चाहिए,
हाँ हमे चाहिए।bd।

जिनके होंठों पे मुरली,
समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

रहे रात दिन,
रहे रात दिन,
बस वहीं मुरलीवाला,
हमें चाहिए हाँ हमें चाहिए,
मोर पंखों का सर पर,
सुनहरा मुकुट हाँ सुनहरा मुकुट,
बस वहीं ब्रज का ग्वाला,
हमें चाहिए हाँ हमें चाहिए।bd।

प्रेषक – वीरेंद्र सिंह कुशवाहा
8770536167

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com